श्री लाडली मोहन निगम : यह जो 90,000 किट्स मंगवाये गये, उस पर आपका कितना फारेन एक्सचेंज लगा, वह मैं जानना चाहता हूं ?

SHRI M. S. SANJEEVI RAO: We have already informed this august House that each kit costs 128 dollars.

MR. CHAIRMAN: All right. Question No. 226. Shrimati Maimoona Sultan, Not here. Mr. Narendra Singn.

Robberies in Delhi

*226. SHRIMATI MAIMOONA SULTAN:
SHRI NARENDRA SINGH:

Will the Minister of HOME AFFAIRS be pleased to state:

(a) whether it is fact that during the past three months fhe law and order situation in the capital has deteriorated considerably especially in respect of robberies and dacoities; and

(b) if so, what is the number of persons who lost their lives in connection with the incidents of robberies during the period and what steps Government have taken to remedy the situation?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF HOME AFFAIRS (SHRI P. VENKATASUBBAIAH): (a) and (b) A statement is laid on the Table of the House.

Statement

Compared to the previous 3 months viz. May to July, 1983 when 8 cases of dacoity and 51 cases of robberies were reported, during the last 3 months viz. from August to Octobe/ 1983, 3 cases of dacoity and 51 cases of robberies were repor-to Delhi Police. As such, there is no deterioration in this regard during the last 3 months.

* The question was actually asked on fte floor of fhe House by Shri Narendra Singh.

One person lost his life in the incident of robbery that took place on Rao Tula Ram Marg on the 28th September, 1983v

To check such crimes, steps like armed patrolling with walkie-talkie and wireless setss, action against known criminals and bad character under the various sections of law including National Security Act, surprise checking of vehicles to detect those involved in commission of crime, strengthening of surveillance over known criminals, posting of police pickets and holding of inter-district meetings with police officials of adjoining States to ensure coordinated action and proper collection of intelligence regarding criminals, have been taken.

श्री सुरेन्द्र सिंह : मैं माननीय मंत्री जी से जानना चाहता हूं कि दिल्ली में अभी हाल में जो डकैतियां और लूटपाट की घटनायें हुई हैं तथा उन में उग्रपंथियों का भी कोई हाथ है क्या काई ऐसी जानकारी सरकार को मिली है और अगर है तो कौन कौन से उग्रपंथी हैं जिन को इस के लिये गिरफ्तार किया गया है और जिन के खिलाफ कार्यवाही की गयी है ?

SHRI P. VENKATASUBBAIAH: Sir, there is definite evidence to indicate the in volvement of extremists in 10 cases. Three of these 10 cases have been filed as untraced and the remaining 7 cases are under investigation, out of which it has been possible for Delhi Police to work out 3 cases with the arrest of 3 persons, one of whom was recently apprehended by the Punjab Police. Non-bailable warrants in respect of some other extermists suspected to be involved in these cases have bee.i issued. While in the earlier cases crude country-made bombs were found tot have been used, in respect of the recont explosions at the two cinema houses and. at the New Delh'i railway station there is evidence of hand-grenades with Indian Army markings having been used.

Sir, the second aspect of the terrorists linkage is the movement of extremists *ta*

Delhi. In order to deal with this, police patrolling in Delhi has been intensified. It was only through the efforts of one of the police pickets put up for this purpose that a suspected extremist was apprenhened' by the Delhi Police on the 24th October, 1983, during the Nirankari Samagam. Delhi Police recovered one 32 calibre revolver, a country-made pistol and 25 cartridges.

श्री नरेन्द्र सिंह : मान्यवर, यह जो कानून और व्यवस्था की स्थिति है जो राजधानी में होता है उस का पूरे देश पर असर पड़ता है । इस के लिये जो कदम उठाये गये हैं और जो सख्ती की बात कही गयी है यह बहुत अच्छी बात है और इस से डकैतियों में बहुत कमी आयी है जैसा कि बयान में है कि मई और जुलाई की तिमाही में 8 डकैतियां हुई हैं और फिर अगस्त और अक्तूबर की तिमाही में 3 डकतियां हुई हैं । यह तो अच्छी बात है कि कमी आयी है लेकिन नागरिकों में जो भय व्याप्त है, जो आतंक है उस को दूर करने के लिये क्या गृह मंत्रालय ने कोई ऐसे निर्देश दिल्ली पुलिस को दिये हैं कि वह नागरिकों की बैठक करें और उन में विश्वास पैदा करें ताकि लोगों में जो भय व्याप्त है वह दूर हो सके ?

दूसरे यह भी है कि राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम के अ-तर्गत कार्यवाही की गयी है तो कितने लोगों के विरुद्ध वह कार्यवाही की गयी है और उस में से कौन से नोटारियस क्रिमिनल्स हैं यह जानकारी मैं चाहूंगा ।

SHRI P. VENKATASUBBAIAH: Sir in order to keep np the public morale and confidence, the Delhi Administration has taken a number of steps. No.l, keeping in view similar incidents of explosions in Punjab and Chandigarh, a high level committee comprising senior officers of Delhi 'oiice, Chandigarh Police

SHRI P. C. SETHI: The question is about robberies, not explosions.

MR. CHAIRMAN; I was also about to intervene; it would widen the scope of the question.

SHRI P. VENKATASUBBAIAH: About robberies, the following steps have been taken by the Delhi Police. Increased police vigilance; intensive foot and mobile patrolling including armed potrolling with walkie-talkie sets and wireless fitted motor cycles; action under the normal preventive section of Cr. P. C. against bad characters and criminals; continuous drives by the Special Squads of the Districts to detect dacoits, robbers and other bad characters by developing the intelligence; surprise checking of the vehicles to detect those involved in commission of crimes; strengthening of surveillance over known criminals; organisation of Thekri Pehra and patrolling by local residents and private Chowkidars in coordination with police patrol pickets; stepping up of externment proceedings and action against criminals under the National Security Act; inter-district meeting with police officials of the other adjoining States. In connection with marking security arrangements for the Asian Games and the Non-Aligned Summit Conference, certain so-phisticated equipments were imported and the same have added to the operational efficiency of Delhi Police. The expenditure on Delhi Police, which was Rs. 23 crores \n 1980-81, has gone up to more than Rs. 45 crores during the current financial year.

श्री बुद्ध प्रिय मौर्य : माननीय सभापति जी, मैं आपका हृदय से आभारी हूं कि आपने मुझे सवाल पूछने की इजाजत दी । माननीय गृह राज्य मंत्री जी ने सप्लीमेंटरी के उत्तर में यह स्वीकारा है, माना है कि एक्स्ट्रीमिस्ट्स का इसमें हाथ है । इसमें उग्रवादियों का हाथ है । माननीय गृह मंत्री जी कृपा करके एक्स्ट्री-मिस्ट्स के बारे में बतायेंगे कि उनका

एक्स्ट्रीमिस्ट्स से क्या अर्थ है ? एक्स्ट्रीमिस्ट्स के बारे में वह विस्तार से बतायें ताकि हम जान सकें कि इन एक्स्ट्रीमिस्ट्स से आपका क्या मतलब है ? क्योंकि जो उत्तर मिला है वह बड़ा कन्फ्यूजिंग है। एक्स्ट्रीमिस्ट्स आप किन को पुकारते हैं, यह क्या आप बता सकेंगे ? एक्स्ट्रीमिस्ट्स के माने गृह मंत्रालय क्या समझता है, कौन लोग एक्स्ट्रीमिस्ट्स हैं जो इन डकैतियों में शामिल हैं ? एक्स्ट्रीमिस्ट्स का हाथ स्वयं आपने स्वीकारा है इसलिये मैं आपसे प्रार्थना करूंगा कि ये कौन लोग हैं ?

श्री सभापति : एक बात को जितनी दफा दोहरायेंगे उतनाही टाइम लगेगा और दूसरे लोग सवाल नहीं पूछ सकेंगे।

श्री प्रकाश चन्द्र सेठी : एक्स्ट्रीमिस्ट्स लोग वे हैं जो वायलेंट एक्टीविटी में, डकैती में, रांबरी में हिस्सा लेते हैं। जो ऐन्टी सोशल एलीमेंट हैं उनके साथ एक्स्ट्रीमिस्ट् एलीमेंट भी मिल गये । यह भी हमारे पास सूचना है कि इन चीजों में आस-पड़ौस के राज्यों से भी जो लोग आते हैं वे इस तरह की हरकतें करके चले जाते हैं।

श्री बुद्ध प्रिय मौर्य : मेरी तसल्ली नहीं हुई । सदन की हुई या नहीं, मैं नहीं जानता, आपकी तसल्ली हुई या नहीं, मैं नहीं जानता लेकिन मेरी तसल्ली नहीं हुई।

श्री सभापति : उन्होंने बता दिया कि इसका क्या मतलब है । अगर आप अब भी नहीं समझते तो डिक्शनरी देख लीजिए।

श्री जे० के० जैन : क्या गृह मंत्री महोदय को यह जानकारी है कि 1977 के बाद जिन लोगों को आर्म्स लाइसेंस दिये गये उनमें से हजारों की संख्या ऐसी है जो एन्टी सोशल एलीमेंट हैं ? क्या ऐसी लिस्ट गृह मंत्रालय के पास है ? क्या इसकी उन्होंने जांच कराई है ? यदि नहीं कराई है तो क्या आप इस सदन को आश्वासन देंगे कि सन् 1977 के बाद सन् 1979 तक जो एन्टी-सोशल एलीमेन्ट्स हैं और जिन्होंने सन् 1977 के चुनावों में भाग लिया था उनको खुश करने के लिए प्रशासन ने उनको लायसेंस और हथियार से लैस कर दिया था? इसलिए मैं जानना चाहता हूं कि क्या आप ऐसे लोगों की जानकारी कराकर उनकी सूची सदन के पटल पर रखेंगे जिनके लायसेंस कैंसिल किये गये हैं ? क्या आप इस प्रकार का आश्वासन सदन को देंगे ?

श्री प्रकाश चन्द्र सेठी : चेयरमैन साहब, जहां तक लायसेंस देने का सवाल है पुलिस वेरिफिकेशन के बाद ही ये लायसेंस दिये जाते हैं। अगर कुछ व्यक्तियों के बारे में या व्यक्ति के बारे में कोई खास शिकायत पाई जाती है तो जरूर छानबीन की जाती है और लायसेंस कैंसिल करने की कार्यवाही की जाती है ऐसी कोई सूची हमारे पास नहीं है कि जिन लोगों को लायसेंस दिये गये हैं वे सब एन्टी-सोशल एलीमेन्ट्स हैं... (**व्यवधान**) ।

श्री जे० के० जैन : श्रीमन्, मैं माननीय गृह मंत्री जी से यही निवेदन कर रहा था कि इसका अगर वे इंवैस्टिगेशन करा दें तो उनको एन्टी-सोशियल एलीमेन्ट्स को पकड़ने में मदद मिलेगी और जो उग्रवादी कार्यवाहियां कर रहे हैं वे भी पकड़ में आ जाएंगे।

श्री प्रकाश चन्द्र सेठी : अगर कुछ स्पेसिफिक चार्जेज हों और माननीय सदस्य देंगे तो मैं जरूर जांच कराऊंगा ।

श्री जगदीश प्रसाद माथुर : श्रीमन्, मंत्री जी ने एक्सट्रीमिस्ट्स की जनरल, भाषा में परिभाषा की है । मैं यह जानना चाहता हूं कि क्या उस परिभाषा में जो लोग भी शामिल हैं जिनका पंजाब में की जा रही कार्यवाहियों के लिए एक्सट्रीमिस्ट्स कहा जाता है और क्या यह भी सही है कि पंजाब के अन्दर जिनको एक्सट्रीमिस्ट्स कहा जाता है और जो लोग डकैतियों में पकड़े जाते हैं, क्या उनका आपस में कोई परस्पर मेल है? इस परिस्थिति में क्या आप दिल्ली में पुलिस कमिश्नर की जो व्यवस्था है उसको बदलने पर विचार करेंगे?

श्री प्रकाश चन्द्र सेठी : जहां तक इन डकोइटीज का ताल्लुक है, यहां बम एक्सप्लोजन में अवश्य उनमें कुछ लोगों का हाथ है, मगर डैकोइटीज में पंजाब के एकाध एक्सट्रीमिस्ट्स हो सकते हैं, लेकिन आम तौर पर ऐसे सब एक्सट्रीमिस्ट्स का हाथ नहीं है । जहां तक पुलिस का ताल्लुक है, पड़ौसी राज्यों के साथ उनका पूरा तालमेल है । समय समय पर उनकी मीटिंग होती रहती है । एक मीटिंग लेफ्टि० गवर्नर ने पड़ौसी राज्यों के पुलिस अधिकारियों और दूसरे अधिकारियों के साथ की है ताकि कोआर्डिनेशन किया जा सके और जो लोग इस प्रकार की कार्यवाहियां करते हैं उनको पकड़ा जा सके।

श्री जगदीश प्रसाद माथुर : दिल्ली में पुलिस कमिश्नर की जो व्यवस्था दो साल पहले शुरू की गई थी, क्या आप उसको बदलने पर विचार करेंगे ?

About two years ago it started. Are you intending to change it?

SHRI P. C. SETHI: Sir, that question does not arise out of this.

श्री शरीफ अहमद सिद्दिकी : जनाब, मिनिस्टर साहब ने अपने बयान में दिल्ली एडमिनिस्ट्रेशन के काम में सुधार करने के लिए और डकैतियों वगैरह को रोकने के लिए जो इकदामात करने की बात कही है उसकी मैं सराहना करता हूं । लेकिन मैं जानता हूं कि सन् 1978 के अन्दर पुलिस थानों के अन्दर जो कमेटियां बनाई गई थी आज भी उन्हीं कमेटियों पर अमल-दरामद होता है । उनमें, मेरी जानकारी है, ऐसे फिरकापरस्त लोग भी हैं जो माहौल को खराब करते हैं, लेकिन फिर भी पुलिस की मीटिंग में आते हैं । इसलिए मैं होम मिनिस्टर साहब से जानना चाहता हूं कि क्या वे इस बात की इन्क्वायरी करेंगे कि उन थानों में जिन हजरात को बुलाया जाता है उनकी मुल्क की एकता के बारे में क्या भावना है और क्या आप इस बात की भी जानकारी कराएंगे कि अमन कायम करने के लिए जिन लोगों को बुलाया जाता है, क्या वे अमन कायम करने के अहल हैं?

श्री प्रकाश चन्द्र सेठी : अमन कमेटियों का जहां तक ताल्लुक है, अमन कमेटियां कम्यूनल हारमनी और पीस कायम करने के लिए बनाई जाती हैं और उसी के लिए काम करती हैं । समय समय पर उनकी मीटिंग भी होती रहती हैं । इस संबंध में दिल्ली के अन्दर हां हमें खुशी है कि जहां तक कम्यूनल हारमनी का ताल्लुक है, दिल्ली में और जगहों के मुकाबले काफी शांति है । जहां तक रोबरी और डकोइटीज का ताल्लुक है, इसके लिए कोई एडवाइजरी कमेटी नहीं है ।

MR. CHAIRMAN; Question No. 227.

Registration of Small Scale Units

*227. SHRI HARKISHAN SINGH SURJEET;

SHRI SUKOMAL SEN:f

Will the Minister of INDUSTRY bo pleased to state:

(a) whether it is a fact that Govem-ment have decided to regularise all small-

fThe question was actually asked on the floor of the House by Shri Sukomal Sen.